बी.ए. प्रथम वर्ष–जैन एवं जैनेतर दर्शन–प्रथम पत्र

नोट– निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Answer any three questions of the following.

1. भारतीय दर्शन के विभाजन पर प्रकाश डालें।
   Throw light on the division of Indian Philosophy.
2. न्याय दर्शन के अनुसार प्रमाण के स्वरूप पर प्रकाश डालें।
   Throw light on the nature of Pramana according to Nyaya Philosophy.
3. जैन दर्शनानुसार द्रव्य के प्रकार कितने हैं?
   How many kinds of substance according to Jain Philosophy?
4. सांख्य के सत्कार्यवाद को स्पष्ट करें।
   Clearify the Satkaryavad of Sankhya.
5. बौद्ध के प्रतीत्य समुत्पाद क्या है?
   What is Pratitya Samutpad in Buddhist Philosophy?
6. न्याय दर्शन के अनुसार अनुमान प्रमाण के स्वरूप पर प्रकाश डालें।
   Throw light on Inference Pramana according to Nyaya Darshan.
7. योग दर्शन के ईश्वर की व्याख्या कीजिए।
   Explain the God of Yog Darshan.
8. मीमांसा दर्शन के धर्म विचार का वर्णन करें।
   Describe the Dharma of Mimansa Philosophy.
9. वेदान्त दर्शन की उत्पत्ति और विकास को समझाएं।
   Write the origin and development of Vedant.
10. विशिष्टाद्वैतवाद का एक परिचय दें।
    Write an introduction of Vishisht dvaitvad.
11. भारतीय दर्शन की विशेषताएं Charcteristics of Indian Philosophy.
12. जैन दर्शन में अनेकान्तवाद Non-absolutism in Jain Philosophy
13. अष्टांग योग Astang Yoga
14. न्याय दर्शन में ईश्वर God in Nyay Philosophy
15. वैशेषिक दर्शन में सप्त पदार्थ (Seven reals in Vaisheshik Philosophy)
16. शंकर दर्शन में मायावाद (Mayavada in Shankar Darshan)
17. रामानुज के दर्शन में ब्रह्म विचार (Brahma in Ramanuj Philosophy)

बी.ए. प्रथम वर्ष–जैन एवं जैनेतर दर्शन–द्वितीय पत्र

नोट– निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Answer any three questions of the following.

1. द्रव्य को परिभाषित करते हुए जैन दर्शन के द्रव्य की अवधारणा को स्पष्ट करें।
   Define substance. Explain the concept of substance in the context of Jaina Philosophy.
2. ज्ञान के भेद प्रभेदों का संक्षिप्त विवेचन करें।
   Discuss briefly about types and subtypes of knowledge.
3. कर्म की परिभाषा करते हुए कर्म की दस अवस्थाओं का विवरण करें।
   Define Karma and describe ten states of Karma.
4. मोक्ष मार्ग क्या है? जैन सिद्धान्त दीपिका के अनुसार समझाए।
   What is path of liberation? Explain according to Jain Siddhanta Dipilka.
5. गुणस्थान से आप क्या समझते हैं? गुणस्थान के चौदह प्रकारों का विशद विवेचन करें।
   What do you understand by the stages of spiritual development. Explain fourteen stages of spiritual development.
6. भगवान ऋषभ के जीवन दर्शन पर संक्षिप्त प्रकाश डालें।
   Illuminate life and philosophy of Lord Rishabh in brief.
7. आगमों के वर्गीकरण पर टिप्पण लिखे।
   Write a note on classification of agams.
8. भगवान महावीर की साधना का विस्तृत विवेचन करें।
   Describe Lord Mahavira's penance in detail.
9. द्रव्य का लक्षण लिखते हुए भेदों का वर्णन विस्तार से कीजिए।
   Write nature and kinds of substance in details.
10. ज्ञान के स्वरूप एवं भेदों पर निबन्ध लिखिए।
    Write an essay on Nature and Kinds of Knowledge.
11. मोक्षमार्ग को विस्तार से समझाइये।
    Through light on the path of liberation.
12. संल्लेखना पर निबन्ध लिखिए।
    Write an esay on Sanllekhana (Holydeath)
13. शरीर के भेद–प्रभेदों को विस्तार से समझाइये।
    Write the types and sub-types of body.
14. धर्म और लोकधर्म का वर्णन कीजिए।
    Describe the spiritual Dharma and popular dharma .
15. कालचक्र पर निबन्ध लिखिए।
    Write an essay on time-cycle.
16. जैनागम स्वरूप एवं परम्परा को विस्तार से समझाइये।
    Give in detail the nature and tradition of Jainagam.